हिन्दी साहित्य का इतिहास

(सर्वमान्य और सर्वप्रचलित काल विभाजन)

काल

- 1. आदिकाल (वीरगाथा काल) 700 से 1400 ई॰
- 2. मध्यकाल
  - पूर्व मध्य काल (भक्तिकाल) 1400 से 1700 ई॰
  - उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) 1700 से 1850 ई॰
- 3. आधुनिक काल 1850 से अब तक
  - भारतेन्दु युग (1850-1900)
  - द्विवेदी युग (1900-1918)
  - छायावाद युग (1918-1938)
  - प्रगतिवाद-प्रयोगवाद युग (1938-53)
  - नई कविता-नवलेखन युग (1953-अब तक)

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार काल विभाजन

काल →
- वीरगाथा काल (1050-1375) (आदिकाल)
- भक्तिकाल (1375-1700) (पूर्व मध्य काल)
- रीतिकाल (1700-1900) (उत्तर मध्य काल)
- गद्य काल (1900-1984) (आधुनिक काल)

आदिकाल का नामकरण

नाम	लेखक
* आदिकाल	हजारी प्रसाद द्विवेदी
* वीरगाथाकाल	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
* चारणकाल	जॉर्ज ग्रियर्सन
* प्रारम्भिक काल	मिश्र बंधु
* बीजवपन काल	महावीर प्रसाद द्विवेदी
* सिद्ध-सामंत काल	राहुल सांकृत्यायन
* वीर काल	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
* संधि-चारण काल	डा॰ रामकुमार वर्मा

नोट-

- चौरासी सिद्धों में मुख्य सिद्ध कवि हैं- सरहपा, शबरपा, लुइपा, डोम्भिपा, तंतिपा
- गोरखनाथ को हिन्दी का प्रथम गद्य लेखक माना -मिश्र बंधुओं ने
- नाथ साहित्य के आरम्भकर्ता - गोरखनाथ
- सिद्धों का सम्बन्ध था - वज्रयान से
- प्रथम सिद्ध व सहजयान के प्रवर्तक - सरहपा
- सिद्ध मत थे - निरीश्वरवादी
- नाथ थे - ईश्वरवादी

Scanned with CamScanner

आदिकाल के प्रमुख ग्रन्थ (अपभ्रंश)

रचनाएँ	रचनाकार
पउम. चरिउ. रिट्ठणेमि	स्वयंभू (783 ई० के लगभग)
सन्देश रासक (खण्डकाव्य, विरह कथा)	अब्दुल रहमान (12वीं-13वीं सदी)
पाहुड़ दोहा	राम सिंह (11वीं सदी)

प्रमुख जैन साहित्य

- श्रावकाचार, लघुनय चक्र, दर्शनसार - देवसेन
- भरतेश्वर बाहुबलीरास - शालिभद्र सूरि
- चन्दनबाला रास - आसगु
- स्थूलिभद्र रास - जिनधर्म सूरि
- रेवन्तगिरि रास - विजय सेन सूरि

प्रमुख रासो ग्रन्थ

- 'खुमाण रासो - दलपत विजय
- बीसलदेव रासो - नरपति नाल्ह
- हम्मीर रासो - शार्ङ्गधर
- परमाल रासो - जगनिक
- पृथ्वीराज रासो - चन्दबरदाई
- जयचन्द्र प्रकाश - भट्ट केदार

जय मयंक-जस चन्द्रिका - मधुकर कवि

अन्य ग्रन्थ

- खालिकबारी, पहेलियाँ, मुकरियां, दो सुखने, गज़ल - अमीर खुसरो (खड़ी बोली के प्रथम कवि)
- ढोला-मारू-रा-दूहा' के रचयिता - कवि कल्लोल

कीर्तिलता, कीर्ति पताका, पदावली, गंगावाक्यावली - विद्यापति

वर्ण रत्नाकर (गद्यात्मक शब्द कोश) - ज्योतिरीश्वर ठाकुर

आदिकाल (वीरगाथा काल के रचनाकार)

Scanned with CamScanner

भक्तिकाल (1400-1700ई॰)

भक्तिकाल को स्वर्ण काल भी कहा जाता है। इस काल को दो काव्यधाराओं में बाँटा गया है।

भक्ति काल

- निर्गुण काव्य धारा
  - ज्ञानाश्रयी शाखा (प्र.क.- कबीरदास) (प्रतिनिधि कवि)
  - प्रेमाश्रयी शाखा (प्र.क.- जायसी)
- सगुण काव्य धारा
  - राम भक्ति शाखा (प्र.क.- तुलसीदास)
  - कृष्ण भक्ति शाखा (प्र.क.- सूरदास)

भक्तिकाल

निर्गुण काव्य धारा

ज्ञानाश्रयी शाखा - ज्ञान पर अधिक बल

कवि - कबीरदास, रैदास, गुरुनानक, दादूदयाल, सुन्दरदास, रज्जब आदि।

प्रेमाश्रयी शाखा - सूफी काव्य

कवि - मुल्ला दाउद (हिन्दी के प्रथम सूफी कवि) मालिक मुहम्मद जायसी, कुतुबन, मंझन आदि।

सगुण काव्यधारा

रामभक्ति धारा - रामभक्त कवियों का सम्बन्ध रामानंद से है।

कवि - तुलसीदास, नाभादास, हृदयराम, प्राणचन्द्र चौहान आदि।

कृष्णभक्ति शाखा - कृष्णभक्ति धारा की दार्शनिक पीठिका वल्लभाचार्य द्वारा तैयार-

कवि - सूरदास, कृष्णदास, नंददास, रसखान, रहीम, मीराबाई।

भक्ति के चार सम्प्रदाय-

1- श्री सम्प्रदाय - प्रवर्तक - रामानुजाचार्य
रामानंद के 12 शिष्य - रैदास, कबीर, धन्ना, सेना, पीपा, भवानंद, सुखानंद, अनन्तानंद, सुरसुरानंद, नरहर्यानंद, पद्मावती, सुरसरी।

2- ब्रह्म सम्प्रदाय - प्रवर्तक - मध्वाचार्य, चैतन्य महाप्रभु

3. रुद्र सम्प्रदाय - प्रवर्तक - विष्णुस्वामी
अनुयायी - सूरदास एवं अष्टछाप के कवि।

4- सनकादि सम्प्रदाय - प्रवर्तक - निम्बार्काचार्य

अष्टछाप के कवि

- कुम्भनदास
- सूरदास
- परमानंद
- कृष्णदास
- गोविंदस्वामी
- नंददास
- छीतस्वामी
- चतुर्भुजदास

ऊपर वाले 4 वल्लभाचार्य के शिष्य
नीचे वाले 4 विट्ठलनाथ के शिष्य

भक्तिकाल के कवि

ट्रिक: रसमी जी के सब दास

- र - रसखान
- मी - मीरा
- जी - जायसी
- सब दास - सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास, रहीमदास, सुन्दरदास, रैदास, नरोत्तमदास, नंददास

Scanned with CamScanner

रीतिकाल (1700-1850 ई॰)

रीतिकालीन काव्य

- रीतिबद्ध
  - * केशवदास
  - * सेनापति
  - * देव
  - * भूषण
  - * मतिराम
  - * पद्माकर
- रीतिसिद्ध
  - * बिहारी
- रीतिमुक्त
  - * घनानंद
  - * आलम
  - * बोधा
  - * ठाकुर

रीतिकाल का नामकरण

- श्रृंगारकाल - विश्वनाथ प्रसाद
- रीतिकाल - आचार्य शुक्ल
- अलंकृतकाल - मिश्र बंधु

रीतिकाल के रचनाकार

ट्रिक - बिभूषण आपके बोध से माध देव आए।

- बिहारी
- भूषण
- आलम
- पद्माकर
- केशव
- बोधा
- सेनापति
- मतिराम
- घनानंद
- देव

आधुनिक काल (1850 से अब तक)

हिन्दी साहित्य में 'आधुनिक काल' का नाम सर्वप्रथम आचार्य राम चन्द्र शुक्ल द्वारा दिया गया। इस युग को नवजागरण नाम से प्रसिद्धि मिली जिसके प्रणेता भारतेन्दु हरिश्चन्द्र थे। इस युग में गद्य साहित्य का विकास हुआ।

भारतेन्दु युग (1850 से 1900 ई॰)

प्रमुख रचनाकार-

* भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
* बालकृष्ण भट्ट
* प्रताप नारायण मिश्र
* बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'

द्विवेदी युग (1900-1918 ई॰)

प्रमुख रचनाकार	रचना
* महावीर प्रसाद द्विवेदी	- सरस्वती 'पत्रिका (सम्पादक)
* पं॰ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	- उसने कहा था (कहानी)
* अध्यापक पूर्ण सिंह	- गेंहू और गुलाब (निबन्ध)
* बाबू श्याम सुन्दर दास	- साहित्यालोचन (आलोचना)
* बालमुकुन्द गुप्त	- शिव शम्भू के चिट्ठे (निबंध)
* पं॰ किशोरीलाल गोस्वामी	- अंगूठी का नगीना (उपन्यास)
* बाबू गोपालराम गहमरी	- अद्भुत लाश (उपन्यास)

Scanned with CamScanner

हिन्दी पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास

आदिकाल (700-1400ई०)

* अधिकांश विद्वानो ने सिद्ध सरहपा को हिन्दी का प्रथम कवि माना है।
* हजारी प्रसाद द्विवेदी ने अब्दुल रहमान को हिन्दी का प्रथम कवि माना है।
* 84 सिद्धों में सर्वोच्च स्थान लुइपा का था।
* नाथ सम्प्रदाय के प्रसिद्ध कवि - गोरखनाथ थे।
* खड़ी बोली के प्रथम कवि - अमीर खुसरो थे।
* श्रृंगार रस का सिद्ध वाक् कवि - विद्या पति (मैथिल कोकिल)

भक्ति काल (1400-1700ई)

* भक्ति का सर्वप्रथम उल्लेख - श्वेताश्वर उपनिषद
* निर्गुण भक्ति का आदि स्रोत - श्वेताश्वर उपनिषद
* सगुण भक्ति का आधार ग्रन्थ - श्रीमद भागवत
* भक्ति साहित्य की परम्परा शुरू करने वाले - नामदेव
* पूर्णतया अद्वैतवादी कवि - कबीरदास
* अष्टछाप की स्थापना की गई - कृष्ण की उपासना हेतु

प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्त		प्रवर्तक
* अद्वैतवाद	—	शंकराचार्य
* विशिष्टाद्वैतवाद	—	रामानुजाचार्य
* द्वैतवाद	—	मध्वाचार्य
* द्वैताद्वैतवाद	—	निम्बार्काचार्य
* शुद्धाद्वैतवाद	—	बल्लभाचार्य

वाद	प्रवर्तक
* रस सम्प्रदाय	भरतमुनि
* अलंकार सम्प्रदाय	भामह, मम्मट
* रीति सम्प्रदाय	दण्डी, वामन
* रीतिवाद	केशवदास
* प्रयोगवाद	अज्ञेय
* छायावाद	जयशंकर प्रसाद

रीतिकाल

रीतिकाल के प्रमुख मुक्तक काव्य

काव्य	कवि
* श्रृंगार मंजरी, काव्य प्रकाश, * छंद विचार, रस विलास, * कवि कुल कल्पतरु	चिन्तामणि
* रसराज, वृतकौमुदी	मतिराम
* शिवाबावनी, छत्रसाल दशक	भूषण
* सतसई	बिहारी
* बिरह वारीश, इश्कनामा	बोधा

प्रमुख गुरु व शिष्य

शिष्य	गुरु
* शंकराचार्य	गोविन्द योगी
* रामानंद	राघवानंद
* कबीर, * रैदास, * पद्मावती	रामानंद
* बल्लभाचार्य	विष्णुस्वामी
* सूरदास	बल्लभाचार्य
* मीराबाई	रैदास
* तुलसीदास	नरहरिदास
* जायसी	शेख मोहिदी
* मैथिलीशरण गुप्त, * प्रेमचन्द्र, * निराला	महावीर प्रसाद द्विवेदी

Scanned with CamScanner

हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास

आधुनिक हिन्दी गद्य का प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को माना जाता है। आधुनिक काल में गद्य के विकास की अधिकता को देखते हुए इसे आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने गद्य काल की संज्ञा दी।

हिन्दी गद्य के विकास को दो भागों में बांटा गया है -

1. आधुनिक काल से पूर्व हिन्दी गद्य 2. आधुनिक काल में हिन्दी गद्य

इसे 4 भागों में बाँटा गया

1. राजस्थानी गद्य 2. मैथिली गद्य
3. ब्रजभाषा गद्य 4. खड़ी बोली के गद्य (आरम्भिक)

हिन्दी गद्य की कुछ महत्वपूर्ण प्रारम्भिक रचनाएँ -

* अष्टयाम — नाभादास
* रानी केतकी की कहानी — इंशा अल्ला खाँ
* सुखसागर — मुंशी सदासुखलाल
* प्रेमसागर — लल्लूलाल
* नासिकेतोपाख्यान — सदल मिश्र

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य :

* आगरा स्कूल बुक सोसायटी की स्थापना - 1833 ई.
* संस्कृत प्रेस' के संस्थापक - लल्लूलाल
* हिन्दी, बांग्ला, अंग्रेजी, फारसी में प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र - बंगदूत (संपादक - राजाराम मोहन राय)
* राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' की प्रेरणा से प्रकाशित - बनारस अखबार (1844 ई.)
* हिन्दी का पहला समाचार पत्र - उदंत मार्तण्ड (संपादक - पं. युगल किशोर) इस साप्ताहिक पत्र को हिन्दी की प्रथम पत्रिका भी माना गया।
* फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना - 1800 ई. में कलकत्ता (डॉ. जॉन बोर्थविक गिलक्राइस्ट की अध्यक्षता में)
* बाइबिल का हिन्दी व उर्दू अनुवाद - हेनरी मार्टिन द्वारा

Scanned with CamScanner

भारतेन्दु युगीन गद्य

इसी युग से हिन्दी गद्य का विकास माना जाता है। इस युग में निबन्ध, नाटक, उपन्यास आदि की रचना की गई।

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य -

* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी की स्थापना – 1893 में, संस्थापक - श्याम सुन्दर दास, रामनारायण, शिवकुमार
* 'अंजुमन लाहौर' नामक सभा की स्थापना - नवीन चन्द्र राय द्वारा लाहौर में
* तदीय समाज की स्थापना - 1873 में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा
* कवि- वचन-सुधा का प्रकाशन 1868 में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा काशी से
* हिन्दी भाषा की शुद्धता एवं परिष्कार के प्रवर्तक – आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ तथा उनकी रचना एवं रचनाकार

- हिन्दी की प्रथम कहानी - इन्दुमती (किशोरी लाल गोस्वामी)
- हिन्दी का प्रथम उपन्यास - परीक्षागुरु (लाला श्रीनिवास दास)
- हिन्दी का प्रथम यात्रा वृत्तान्त - सरयू पार की यात्रा (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र)
- हिन्दी का प्रथम नाटक - नहुष (गोपाल चन्द्र गिरिधर दास)

हिन्दी भाषी क्षेत्र में जन जागरण में भूमिका निभाने वाली संस्थाएँ-

* ब्रह्म समाज 1829 में, (राजा राममोहन राय)
* राम कृष्ण मिशन 1867 में, (स्वामी विवेकानंद)
* प्रार्थना समाज 1861 में, (महादेव गोविन्द रानाडे)
* आर्य समाज 1882 में, (स्वामी दयानंद सरस्वती)(सत्यार्थ प्रकाश के रचयिता)
* थियोसोफिकल सोसायटी 1882 में (एनीबेसेन्ट)

भारतेन्दु मण्डल के लेखक एवं उनके नाटक

* भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा, नीलदेवी, सती प्रताप, विषस्य विषमौषधम् आदि।
* बदरीनारायण चौधरी – भारत सौभाग्य, प्रयाग रामागमन।
* पं॰ बालकृष्ण भट्ट – बाल विवाह, कलिराज की सभा, रेल का विकट खेल।
* किशोरी लाल गोस्वामी – प्रणयिनी परिणय, मयंक मंजरी
* लाला श्रीनिवासदास - रणधीर, प्रेममोहिनी, संयोगीता स्वयंवर
* प्रतापनारायण मिश्र - गौ संकट, कलिप्रभाव
* राधाचरण गोस्वामी - अमर सिंह राठौर, बूढ़े मुँह मुंहासे
* राधाकृष्ण दास - दुःखिनी बाला, महाराणा प्रताप

प्रमुख पत्र- पत्रिकाएँ

* बालाबोधिनी, हरिश्चन्द्र पत्रिका — भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
* हिन्दी - प्रदीप — बालकृष्ण भट्ट
* ब्राह्मण — प्रतापनारायण मिश्र
* हिन्दी दीप्ति प्रकाश — कार्तिक प्रसाद खत्री
* आनंद कादम्बिनी — बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

भारतेन्दु-युग की अन्य रचनाएँ

* भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – कश्मीर कुसुम (इतिहास), बादशाह दर्पण, जयदेव का जीवनवृत्त (जीवनी)
* राधाकृष्ण दास - निस्सहाय हिन्दू (उपन्यास)
* पं॰ बालकृष्ण भट्ट- नूतन ब्रह्मचारी (उपन्यास), सौ अजान एक सुजान (उपन्यास)

Scanned with CamScanner

द्विवेदी युगीन गद्य

* द्विवेदी युग का नामकरण आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर किया गया।
* डा॰ नगेन्द्र ने द्विवेदी युग को जागरण सुधार काल की संज्ञा दी।
* भारतेन्दु युग तथा द्विवेदी युग को जोड़ने वाले कड़ी के कवि- बालमुकुन्द गुप्त थे।

द्विवेदी युग की प्रमुख रचनाएँ

महत्वपूर्ण नाटक

* सुदामा (पौराणिक)	शिवनंदन सहाय
* श्रीदामा (पौराणिक)	राधाकृष्ण गोस्वामी
* उद्धव (पौराणिक)	ब्रजनंदन सहाय
* रामाभिषेक (पौराणिक)	गंगा प्रसाद
* वीर जयमल (ऐतिहासिक)	गंगा प्रसाद गुप्त
* सेनापति ऊदल (ऐतिहासिक)	वृन्दावनलाल वर्मा
* वृद्ध विवाह (सामयिक)	भगवती प्रसाद
* मृच्छकटिकम् (अनूदित)	लाला सीताराम
* नागानंद (अनूदित)	सदानंद अवस्थी

कहानी

* इन्दुमती	किशोरीलाल गोस्वामी
* प्लेग की चुड़ैल	लाला भगवानदीन
* ग्यारह वर्ष का समय	रामचन्द्र शुक्ल
* दुलाईवाली	बंगमहिला
* उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

उपन्यास

* तारा, रज़िया बेगम — किशोरीलाल गोस्वामी
* सरस्वती नाश, जमुना की भूल — गोपाल दास गहमरी
* आदर्श दम्पति, आदर्श हिन्दू — लज्जाराम शर्मा
* अधखिला फूल, ठेठ हिन्दी का ठाठ — अयोध्या सिंह उपाध्याय
* चन्द्रकान्ता, भूतनाथ, अद्भुत बेगम — देवकी नंदन खत्री
  चन्द्रकान्ता सन्तति

जीवन चरित

* 'विशुद्ध चरितावली' — माधव प्रसाद मिश्र
* हरिश्चन्द्र का जीवनचरित — बाबू शिवनंदन सहाय
* तुलसीदास का जीवन चरित — शिवनंदन सहाय
* बाबू राधाकृष्ण दास — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

छायावाद युगीन गद्य

नाटक के क्षेत्र में

जयशंकर प्रसाद:
* कल्याणी
* ध्रुवस्वामिनी
* चन्द्रगुप्त
* स्कन्दगुप्त
* राज्यश्री
* प्रतिशोध

- उपन्यास के क्षेत्र में -

मुंशी प्रेमचन्द:
* गबन, गोदान
* रंगभूमि, कर्मभूमि
* कायाकल्प, सेवासदन

निबन्ध के क्षेत्र में

रामचन्द्र शुक्ल:
* भाव या मनोविकार,
* घृणा, क्रोध, रहस्यवाद

* रामचन्द्र शुक्ल के सभी निबन्ध चिन्तामणि निबन्ध संग्रह में संकलित हैं।

Scanned with CamScanner

छायावादोत्तर युगीन गद्य

यह हिन्दी गद्य की सर्वांगीण उन्नति का युग माना जाता है।

लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, शान्तिप्रिय द्विवेदी, रामधारी सिंह 'दिनकर', भगवती चरण वर्मा, जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय, डा. नगेन्द्र, रामवृक्ष बेनीपुरी, बनारसीदास चतुर्वेदी, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई, फणीश्वर नाथ रेणु, धर्मवीर भारती आदि।

प्रयोगवाद

साहित्य में प्रयोगवाद के प्रवर्तक अज्ञेय कहलाए, जिनकी रचना - नदी के द्वीप, कोठरी की बात, शरणार्थी इत्यादि

नाटक

भारतेन्दु युग के नाटक

* विद्या सुन्दर, चन्द्रावली — भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
* तप्ता संवरण, प्रह्लाद चरित — श्रीनिवास दास
* प्रद्युम्न विजय — अयोध्या सिंह उपाध्याय
* अभिमन्यु वध — शालिग्राम लाल
* विवाह विडम्बन — सीताराम वर्मा
* विधवा विवाह — काशी नाथ खत्री
* शकुन्तला — राजा लक्ष्मण सिंह

द्विवेदी युग के नाटक

* पन्ना — कृष्ण प्रकाश सिंह
* चन्द्रगुप्त — बद्रीनाथ भट्ट
* संयोगिताहरण — हरिदास माणिक
* भारत विजय — जीवानंद शर्मा
* कृष्णकथा, कंस वध — बनवारी लाल
* कृष्णार्जुन-युद्ध — माखन लाल चतुर्वेदी
* धनुष यज्ञ लीला — राम गुलाम लाल

समकालीन नाटक

* आधे अधूरे, शायद, आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश
* आलमगीर, माधवी, हानूश, रंग दे बसंती चोला - भीष्म साहनी
* कोणार्क, पहला राजा, शारदीया - जगदीश चन्द्र माथुर
* दर्पण, सूर्यमुख, गुरु, कश्मीरवन, गंगामाटी - लक्ष्मीनारायण लाल

प्रसाद युग के नाटक

* अजातशत्रु, विशाख, सज्जन — जयशंकर प्रसाद
* रक्षाबंधन, पाताल विजय, प्रतिशोध — हरिकृष्ण प्रेमी
* कर्बला, संग्राम — प्रेमचन्द्र
* महात्मा ईसा, चुम्बन, डिक्टेटर — पाण्डेय बेचन शर्मा
* अम्बपाली — राम वृक्ष बेनीपुरी
* अंजना — सुदर्शन
* हिन्दू विधवा नाटक — विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'
* कमला — उदय शंकर भट्ट
* सुभद्रा — राम नरेश त्रिपाठी
* तिलोत्तमा — मैथिलीशरण गुप्त
* अशोक, राजयोग, सिन्दूर की होली, - आधी रात — लक्ष्मीनारायण मिश्र
* युगे युगे क्रान्ति — विष्णु प्रभाकर

प्रसादोत्तर युग के नाटक

* अश्वत्थामा, मुक्तिपथ, सुन्दरी — उदयशंकर भट्ट
* प्रकाश स्तम्भ — हरिकृष्ण प्रेमी
* कश्मीर का कांटा, झाँसी की रानी — वृन्दावनलाल वर्मा

Scanned with CamScanner

एकांकी

- जयशंकर प्रसाद का 'एक घूंट' सर्वमान्य रूप से हिंदी का प्रथम एकांकी माना जाता है।
- डा॰ रामकुमार वर्मा के एकांकी नाटकों का प्रथम संग्रह - पृथ्वीराज की आँखें हैं।

अन्य लेखकों के एकांकी नाटक -

* अंधेर नगरी, भारत-दुर्दशा, धनंजय विजय, वैदिकी हिंसा न भवति - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
* कारवाँ - भुवनेश्वर प्रसाद
* स्पर्द्धा, मैत्री - सेठ गोविन्ददास
* दस हजार, दुर्गा - उदय शंकर भट्ट
* भोर का तारा, भाषण, बंदी - जगदीशचन्द्र माथुर
* मोहब्बत, पापी, जोंक - उपेन्द्र नाथ 'अश्क'
* इंसान, दस बजे रात - विष्णु प्रभाकर
* दो कलाकार, मैं और केवल मैं - भगवती चरण वर्मा

उपन्यास

उपन्यास = उप (निकट या सामने) + न्यास (रखना) अर्थात् किसी घटना को इस प्रकार सामने रखना, जिससे दूसरों को प्रसन्नता मिले।

प्रमुख उपन्यास एवं उपन्यासकार -

उपन्यास	उपन्यासकार
नूतन ब्रह्मचारी	बालकृष्ण भट्ट
लवंगलता, कनक कुसुम	किशोरी लाल गोस्वामी
चन्द्रकान्ता, भूतनाथ	देवकीनंदन खत्री
गुप्तचर, अद्भुत लाश	गोपालराम गहमरी
कंकाल, तितली, इरावती	जयशंकर प्रसाद
माँ, भिखारिणी, संघर्ष	विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'
देहाती दुनियाँ	शिवपूजन सहाय
अप्सरा, अलका, निरुपमा, प्रभावती	सूर्यकान्त त्रिपाठी
प्रेमपथ, अनाथ पत्नी, मुस्कान	भगवती प्रसाद वाजपेयी
सेवा सदन, निर्मला, गबन, रंगभूमि, कर्मभूमि, गोदान	मुंशी प्रेमचन्द्र

उपन्यास	उपन्यासकार
परख, सुनीता, त्यागपत्र	जैनेन्द्र
जहाज का पंछी, ऋणानुबंध	इलाचन्द्र जोशी
शेखर: एक जीवनी, नदी के द्वीप	अज्ञेय
ढलती रात, स्वप्नमयी	विष्णु प्रभाकर
पतन, तीन वर्ष, रेखा गोसाई	भगवती चरण वर्मा
मधुर स्वप्न, जय यौधेय	राहुल सांकृत्यायन
महाकाल, करवट, पीढ़ियाँ	अमृत लाल नागर
बाणभट्ट की आत्मकथा	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
जुलूस, मैला आँचल	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
तमस, बसंती, झाड़ी, कुन्तो	भीष्म साहनी

Scanned with CamScanner

कहानी

हिन्दी की प्रथम आधुनिक कहानी इन्दुमती है जो किशोरीलाल गोस्वामी द्वारा रचित है।

कुछ प्रमुख कहानी -

कहानी	कहानीकार
* पहला पाठ, डायन, शोभायात्रा	भीष्म साहनी
* कुहासा, मौत का नगर	अमरकान्त
* सफरनामा, खोज	संजीव
* मैं हार गई, त्रिशंकु	मनु भंडारी
* ललमनियाँ	मैत्रेयी पुष्पा
* सिक्का बदल गया	कृष्णा सोबती

कहानी	कहानीकार
* ग्यारह वर्ष का समय	रामचन्द्र शुक्ल
* उसने कहा था	पं. चन्द्रधर शर्मा
* शतरंज के खिलाड़ी, कफन, पंचपरमेश्वर, ईदगाह, मंत्र	प्रेमचन्द्र
* आकाशदीप, पुरस्कार, ममता, मधुआ, गुण्डा	जयशंकर प्रसाद
* ज्ञानदान, उत्तराधिकारी, अभिशप्त	यशपाल
* धूप रेखा, आहुति, दीवाली और होली	इलाचन्द्र जोशी
* पिंजरा, अंकुर, पलंग	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
* मेरा वतन, आखिर क्यों, आदि और अंत	विष्णु प्रभाकर
* तिरंगे कफन, इतिहास	अमृत राय

निबन्ध

निबन्ध का अर्थ है - बंधन में बँधी हुई कोई वस्तु

निबन्ध	निबन्धकार
* चिन्तामणि	आचार्य राम चन्द्र शुक्ल
* ठलुआ क्लब	बाबू गुलाबराय
* अन्तस्थल	चतुरसेन शास्त्री
* पंचपात्र	पदुमलाल पुन्नालाल

जीवनी

* कलम का सिपाही (प्रेमचन्द्र की जीवनी) - अमृतराय
* कलम का मजदूर (प्रेमचन्द्र की जीवनी) - मदन गोपाल
* निराला की साहित्य साधना (निराला की जीवनी) - डा. रामविलास
* सुमित्रानंदन पंत: जीवन और साहित्य - शान्ति जोशी
* आवारा मसीहा (शरत चंद्र की जीवनी) - विष्णु प्रभाकर
* चैतन्य महाप्रभु - अमृतलाल नागर

आत्मकथा

हिन्दी के आत्मकथा साहित्य में प्रथम आत्मकथा अर्द्धकथा है, जो जैन कवि बनारसीदास की है।

* कुछ आप बीती, कुछ जग बीती	भारतेन्दु
* मेरी जीवन यात्रा	राहुल सांकृत्यायन
* निज वृत्तान्त	अम्बिकादत्त व्यास
* साठ वर्ष: एक रेखांकन	सुमित्रानंदन पंत
* मेरी कहानी	बाबू श्यामसुन्दर दास
* क्या भूलूँ क्या याद करूँ	डा. हरिवंशराय बच्चन
* मेरी असफलताएँ	बाबू गुलाबराय
* मेरा जीवन प्रवाह	वियोगी हरि
* मेरी आत्मकथा	डा. राजेन्द्र प्रसाद
* तरुण के स्वप्न	सुभाष चन्द्र बोस
* सत्य की खोज	राधा कृष्णन
* आधे रास्ते और सीधी चट्टान	के. एम. मुंशी
* मेरी कहानी	जवाहरलाल नेहरू

Scanned with CamScanner